



आपको जो 3 संबंध ज़रूरी रूप से रखने चाहिए

3 Relationships You Must Have

उद्देश्य (Objective):

इस प्रशिक्षण में हम तीन महत्वपूर्ण संबंधों की चर्चा करते हैं जिन्हें यीशु ने अपनी सेवकाई के दौरान अपनाया — "12", "3", और "1"।

इनमें शामिल हैं:

- टूटे हुए लोगों की सेवा करना
- विश्वासपात्र मित्रों के साथ पारदर्शिता रखना
- और आत्मिक अधिकार के प्रति समर्पित रहना

इनमें से हर एक संबंध हमारे व्यक्तिगत और आत्मिक विकास में अनोखी भूमिका निभाता है। जब हम इन संबंधों को विकसित करते हैं, तो हम आत्मिक स्वतंत्रता, वृद्धि और बुलाहट की पूर्ति का अनुभव करते हैं।

सारांश (Overview):

1. 12: जिन्हें हम सेवा देते हैं

- यीशु का 12 चेलों से संबंध
- टूटे हुए लोगों के साथ जुड़ने और सेवा देने की आवश्यकता
- दूसरों की सेवा के माध्यम से अनुग्रह, बुद्धि, और यीशु पर निर्भर रहना सीखना
- टूटे लोगों से दूर रहने के प्रलोभन से सावधान रहना

2. 3: पारदर्शिता और विश्वास (Transparency and Trust)

- अपनी संघर्षों को बाँटने और ईमानदारी से जीने की आवश्यकता
- सही लोगों को चुनने का महत्व, जिनसे हम खुलकर बात कर सकें
- पारदर्शिता से मिलने वाले लाभ

3. 1: आत्मिक अधिकार को समर्पण (Submitting to Authority)

- यीशु का पिता परमेश्वर के साथ संबंध
- हमारे जीवन में आत्मिक अधिकार की आवश्यकता
- अधिकार को मानने से मिलने वाले लाभ
- दूसरों को हमारे जीवन में सत्य बोलने की अनुमति देना

उदाहरण वचन पद (Verses Referenced):

- मत्ती 26:36-39
- 2 शमूएल 12:1-15
- यूहन्ना 13:1-17

अध्ययन हेतु प्रश्न (Questions for Further Study):

1. स्वयं का आकलन करें: क्या आपके जीवन में इनमें से कोई संबंध कमी में है? यदि हाँ, तो आप इस महीने क्या कदम उठा सकते हैं जिससे आप "12", "3", या "1" में से किसी संबंध को बना सकें?

2. क्या आप स्वाभाविक रूप से इनमें से किसी एक प्रकार के संबंध की ओर अधिक आकर्षित होते हैं? ऐसा क्यों है?

3. क्या आपके जीवन में कोई आत्मिक अधिकार है? यदि नहीं, तो आप किससे यह भूमिका निभाने के लिए कह सकते हैं?

4. आप इन तीन प्रकार के संबंधों को कैसे युवा लोगों के सामने उदाहरण रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं, जिनका आप नेतृत्व या प्रभाव करते हैं?